

विविशे ÇAT. Br. 4, 1, 5, 2. अपि प्रतिवेशे श्रद्धेन पचते KĀTH. 36, 9. प्रतिवेशो ऽसि प्र मा भाक्त्वि प्र मा पद्यस्व TAITT. Up. 1, 4, 3. = अमापनयनस्थानमा-
सन्नगृहम् ÇAN. प्रतीः विप्रः LĀTJ. 1, 10, 13. जनपद 8, 2, 12. — b) *adjunctus*, *auxiliaris*, (Neben —, Hilfs —): श्रद्धेन प्रतिवेशं पचयुः TB. 1, 6, 7, 1. ĀPAST. im Comm. zu TB. II, 54. ते राक्ष एवावृतापवसधात्प्रतिवेशे-
श्रत्ति AIT. Br. 7, 32. श्राप्य ÇAT. Br. 2, 5, 2, 11. 12, 4, 2, 1. — 2) m. प्रति-
वेश und प्रतीः *Nachbarhaus* ÇABDAR. im ÇKDr.; vgl. u. 1, a. am Ende.
प्रतिवेशतम् (von प्रतिवेश) adv. *aus der Nachbarschaft* ÇAT. Br. 5, 1, 2, 14.
प्रतिवेशवासिन् (प्र + वा) adj. *in der Nachbarschaft wohnend*; subst.
Nachbar: वासिनी *Nachbarin* ALAKĀRAKASTUBHA im ÇKDr.

प्रतिवेशिन् (von प्रतिवेश) = प्रतीः adj. *benachbart*, m. *Nachbar* ÇAB-
DAR. im ÇKDr. अस्मत्प्रतिवेशिविप्रवनिता DHŪRTAS. 76, 6. प्रतिवेशि-
वर्गः MĀKĀ. 47, 18. °वेशिनी f. *Nachbarin* SĀH. D. 61, 1. 103, 4 v. u. PRA-
TĀPAR. 6, a, 7.

प्रतिवेशम् (1. प्र + वे) n. *Nachbarhaus* PĀNĒAT. in Ind. St. 3, 372, 2.
प्रतिवेश्य (von प्रतिवेश) m. *Nachbar* MB. 13, 5901.
प्रतिवैर (1. प्र + वैर) n. *Erwiderung einer Feindseligkeit, Rache*: °वैर
चिकीर्षतः MB. 4, 998.

प्रतिवाढ्य (von वृत् mit प्रति) adj. *heimzutragen*: न रत्नं प्रतिवा-
ढ्यं यद्रत्नं तपमावहेत् R. 3, 56, 27.

प्रतिव्यूह (1. प्र + व्यूह) m. 1) *Gegenaufstellung eines Heeres* MB. 6, 2073. — 2) *Menge*: मेघनादप्रतिव्यूहैर्नादितासु (वनरात्रिषु) von viel-
fachem Donner HARIV. 3605. — 3) N. pr., v. l. für प्रतिव्योमन्, VP.
463, N. 7.

प्रतिव्योम (1. प्र + व्योमन्) m. N. pr. eines Fürsten Bāle. P. 9, 12,
10. °व्योमन् VP. 463.

प्रतिशङ्का (von शङ्क mit प्रति) f. *Besorgniß, Angst vor* (loc.) Kām.
NĪTIS. 11, 19.

प्रतिशत्रु (1. प्र + शत्रु) m. *Bekämpfer, Gegner, Feind* AV. 4, 22, 7.
Schol. zu KUALAJ. 166, a, 2.

प्रतिशब्द (1. प्र + शब्द) m. *Widerhall* VJUTP. 76. AṆ. 6, 13. R. 2, 103,
38. RAGH. 2, 28. KUMĀRAS. 6, 64. VIKR. 16, 67, 1. KATHĪS. 19, 66. 34, 111.
RĀGĀ-TAR. 3, 342. PĀNĒAT. 37, 15 (ed. ORD. 48, 13).

प्रतिशब्दग (1. प्र + शब्द + 1. ग) adj. *dem Laute nachgehend, dahin*
gehend, woher der Laut kommt, MB. 8, 810.

प्रतिशम (von शम् mit प्रति) m. *das Aufhören*: दुःखं MB. 5, 7485.

प्रतिशर (von शर् mit प्रति) m. *das Zerbrechen* (intrans.): श्रं AIT.
Br. 1, 26.

प्रतिशशिन् (1. प्र + श) m. *Nebenmond* VARĀH. BRH. S. 27, c, 11.

प्रतिशाखम् (1. प्र + शाखा) adv. *für jeden Zweig, jede Schule* (des
Veda) MÜLLER, SL. 121. 124. — Vgl. प्रतिवेदशाखम्, प्रातिशाख्य.

प्रतिशाखा (wie eben) f. *Nebenweig*: °नाडी *Zweigader* PRAÇNOP. 3, 6.
विशेषप्रतिशाखवान् (mit Kürze) MB. 14, 955.

प्रतिशाय (von शप् mit प्रति) m. *Gegenfluch, ein erwiderter Fluch*
MB. 1, 781. MĀK. P. 9, 10. 112, 11. VĪJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 48, a, 31.

1. प्रतिशासन (von शास् mit प्रति) n. *das Auftraggelien, Beauftragen*,
Absenden mit einem Auftrage: प्रेषणं यत्समाहूय तत्र स्यात्प्रतिशासनम्
AK. 3, 3, 34. H. 277.

2. प्रतिशासन (1. प्र + शा) n. *Nebenautorität*: कृतवानप्रतिशास-
नं जगत् *er brachte es dahin, dass die Welt nur ihm gehorchte*, RAGH. 8, 27.
प्रतिशिल्प s. u. शिल्प.

प्रतिशीत und प्रतिशीन s. u. श्या mit प्रति.

प्रतिशीवन् (von शी mit प्रति) adj. f. °वरी *zum Lager dienend* AV.
12, 1, 34. सर्वस्य प्रतिशीवरी भूमिस्त्वोपस्थं श्राधितं TS. 1, 4, 40, 1.

प्रतिश्रुक् (1. प्र + श्रुक्) adv. *zur Venus hin*: सोपानमभवत्तत्र (चे-
त्ये) प्रतिश्रुक् (oder प्रति श्रुक्) मरुत्तरम् R. 5, 38, 26.

प्रतिश्या f. = प्रतिश्याय ÇABDAR. im ÇKDr.

प्रतिश्याय (von श्या mit प्रति) m. P. 3, 1, 141, Sch. *Erkältung, Ka-*
tarrh AK. 2, 6, 2, 2. H. 468. HALĀJ. 2, 450. SUÇA. 1, 173, 5. 2, 372, 2. fgg.
366, 21. 2, 188, 3. ७३ 1, 87, 2. Verz. d. B. H. No. 975. अत्यर्थतरुणाप्रति-
श्यायिन् SUÇA. 2, 239, 1.

प्रतिश्रय (von श्रि mit प्रति) m. 1) *Zufucht, Hilfe, Beistand*: कथं स-
मुद्रः पूर्णश्च भगीरथप्रतिश्रयात् MB. 3, 8828. — 2) *Zufuchtsstätte, Ob-*
dach, Wohnung: प्रतिश्रयार्थिन् MB. 1, 6318. दैर्घ्यं प्रतिश्रयं तस्मै 6319.
येषां चान्नानि भुञ्जीत यत्र च स्यात्प्रतिश्रयः 3, 11472. स त्वं प्रतिश्रये ऽस्मा-
कं पूज्यमानः सुखोषितः ebend. चण्डालश्चपचानां तु बर्हिर्ग्रामात्प्रतिश्रयः
M. 10, 51. — JĀGĀ. 1, 210. N. 24, 6. MB. 3, 13389. 14840. 16771. 12,
6296. 13, 3337. 4861. 6068 (wo wohl प्रतिश्रयं zu lesen ist). 6685. 14,
1269. R. GORR. 2, 116, 13. 3, 65, 18. Spr. 1514. MĀK. P. 50, 86. Am Ende
eines adj. comp. (f. श्रा): बर्हिर्ग्रामं ° *ausserhalb des Dorfes wohnend* M.
10, 36. MB. 3, 1889. 6, 208. अन्त्यागारं ° 12, 255. सु° R. 2, 92, 6. यत्रसा-
यंप्रतिश्रया N. 13, 30. *Wohnung so v. a. Behälter*: (इच्छामि) श्रोतुं विस्त-
रः सर्वं त्वं हि तस्य प्रतिश्रयः so v. a. *du weist dieses* MB. 3, 10932.
Nach den Lexicographen: = श्लोकम् H. an. 4, 224. = श्राप्य MED. j.
121. = सन्नशाला H. 1000. HALĀJ. 2, 142. = सभा AK. 3, 4, 24, 155.
H. an. MED.

प्रतिश्रव (von श्रु mit प्रति) 1) adj. oxyt. *erlauschend, erhörhend* VS.
16, 34. nach MAHIDU. = प्रतिशब्द. — 2) m. *Zusage, Versprechen* AK.
1, 1, 4, 14. H. 278. HALĀJ. 4, 30. कृतप्रतिश्रवे राक्षि विह्वरकृतये पुनः RĀ-
GĀ-TAR. 1, 146. अभीष्टमंप्राप्ति कारयित्वा प्रतिश्रवम् 3, 422. कुर्वताम् —
दानमानप्रतिश्रवम् 5, 132. प्रतिश्रवात्ते *nach Ablauf des Versprechens* R.
2, 42, 31 (41, 28 GORR.). सत्यं adj. (f. श्रा) *der seine Zusage erfüllt, ein*
Mann von Wort 1, 10, 2. 2, 109, 16. fg. (118, 16. fg. GORR.). 8, 10, 12. MĀK.
P. 22, 8. 64, 12.

प्रतिश्रवण (wie eben) n. 1) *das Hinhören* P. 8, 2, 99, Sch. — 2) *das*
Zusagen, Einwilligen, Jasagen, Versprechen M. 2, 195. P. 8, 2, 99. °पूर्व
zugesagt, versprochen MB. 1, 2928. — 3) *das Behaupten* P. 8, 2, 99,
Sch. — 4) *wohl ein best. Theil des Ohres*: श्रोत्रे द्वे प्रतिश्रवणौ द्वे तस्मा-
त्पुरुषः सर्वा दिशः शृणोति SHAPV. Br. 2, 1, 2. In dieser letzten Bed. wohl
in प्रति + श्रं° zu zerlegen und mit betonter Endsilbe zu sprechen; vgl.
gaṇa श्रेष्ठादि zu P. 6, 2, 193.

प्रतिश्रवस् (1. प्र + श्र) m. N. pr. eines Sohnes des Bhīmasena
MB. 1, 3796. fg. °प्रतिश्रवसाः (im Index प्रतिश्रवसः) PRAVARĪDUJ. in
Verz. d. B. H. 38, 28 wohl fehlerhaft für °प्रतिश्रवसाः.

प्रतिश्रुत् (von श्रु mit प्रति) f. 1) *Widerhall* AK. 1, 1, 4, 14. H. 1410.
VJUTP. 76. RAGH. 13, 40. वद्धप्रतिश्रुति गुरुमुखानि 16, 31. — 2) *Zusage*,